धनु राशि 2012 दाती का दृष्टिकोण

ये, यो, भ, भी, भू, ध, फ, ढ, भे

(21 नवंबर से 20 दिसंबर)

आयेगी खुशियों की बहार, होगा मन पुलिकत

ग्रहों की स्थिति

नव वर्ष 2012 के आरंभ में धनु राशि के जातक-जातिकाओं के लिए ग्रहों की स्थिति इस प्रकार है। धनु राशि का अधिपति राशि स्वामी बृहस्पति देव वर्ष की शुरुआत में अपनी राशि से पंचम भाव मेष राशि में गोचरवश भ्रमण कर रहें हैं। तत्पश्चात 17 मई को वृषभ राशि में केतुदेव के साथ छठे भाव में भ्रमण करेंगे। सूर्य देव धनु राशि में लग्न भाव में, मंगल देव सिंह राशि में नवम भाव में, बुध देव राहु देव के साथ वृश्चिक राशि में बारहवें भाव में, शुक्र देव मकर राशि में दूसरे भाव में, शनि देव वर्ष के आरंभ से लेकर 16 मई तक तुला राशि में ही ग्यारहवें भाव में रहेंगे। परंतु 16 मई को शनि देव वक्री होकर 25 जून तक कन्या राशि में दशम भाव में गोचर करेंगे। 25 जून को शनि देव मार्गी होंगे और 4 अगस्त 2012 को पुनः तुला राशि में प्रवेश करके ग्यारहवें भाव से गोचर करेंगे।

- धनु राशि वालों को यह वर्ष खुशियों की सौगात लेकर आ रहा हैं।
- इस वर्ष भाग्य आपके पक्ष में करवट ले रहा है।
- सितारे सफलता का पूर्ण संकेत दे रहे हैं।
- संपूर्ण विघ्न और परेशानियों का निवारण होगा।
- आर्थिक स्रोतों में वृद्धि होगी।

- कारोबारी व परिवार संबंधी परेशानियों का निवारण होगा।
- धन प्राप्ति के एक से अधिक साधन उपलब्ध होंगे।
- कॅरियर व नौकरी संबंधी परेशानी का निवारण होगा।
- कॅरियर व नौकरी में एक से अधिक मनोनुकूल अवसर प्राप्त होंगे।
- नौकरी में पदोन्नति, धन लाभ व मनोनुकूल स्थानांतरण का अवसर प्राप्त होगा।
- मान-सम्मान और यश कीर्ति में वृद्धि होगी।
- संतान संबंधी मनोनुकूल सफलताएं प्राप्त होगी।
- संतान को लेकर कोई विशेष सफलता भी हासिल होंगी।
- परंतु 16 मई से 4 अगस्त के बाद नए पूंजी निवेश के लिए समय अनुकूल नजर नहीं आ रहा है।
- मई से लेकर 4 अगस्त तक कार्य में विशेष सावधानी बरतें।
- कोई भी निर्णय बुजुर्गों की सलाह के बगैर न करें।
- परंतु बृहस्पति आपके ऊपर आर्थिक परेशानियां नहीं आने देगा।
- यदि आप नौकरी मे हैं तो मई से लेकर 4 अगस्त तक विशेष सावधानी बरतें।
- 4 अगस्त के बाद पुनः उन्नति के अवसर प्राप्त होंगे।
- मनोबल बढ़ेगा। आपके द्वारा लिये गए निर्णयों की सराहना होगी।
- सरकारी अफसरों व साथ काम करने वालों के साथ संबंध अच्छे रहेंगे।
- यह वर्ष पारिवारिक सुख के लिए अनुकूल व लाभदायक रहेगा।
- माता-पिता का आशीर्वाद मिलेगा।
- बड़े व छोटे भाई-बहनों का साथ मिलेगा।
- जीवनसाथी के साथ वैचारिक मतभेदों की समाप्ति होगी।
- घर में हर्ष और उल्लास का वातावरण रहेगा।
- स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से विशेष रूप से वर्ष का उत्तरार्द्ध अनुकूल नजर नहीं आ रहा है।
- इस समय आपको स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ेगा।
- विशेष रूप से रक्त एवं लीवर संबंधी बीमारी तकलीफ दे सकती है या कोई छोटी-मोटी सर्जरी भी हो सकती है।
- 4 अगस्त के बाद का समय स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से शुभ व मंगलमय रहेगा।
- परंतु फिर भी गरिष्ठ भोजन से बचना होगा।
- मानसिक तनाव आप पर हावी न हो, इस बात पर विशेष ध्यान देना होगा।
- विद्यार्थियों को शिक्षा के दृष्टिकोण से जनवरी से लेकर मई के प्रथम सप्ताह तक का समय अनुकूल रहेगा।
- परंतु मई से लेकर 4 अगस्त तक विशेष सावधानी बरतनी पड़ेगी।

आगे मैं आपको व्यवसाय, परिवार, युवा वर्ग, विद्यार्थी, यात्रा व स्वास्थ्य पर अलग-अलग विशेष रूप से जानकारी दूंगा। परंतु मेरा आपसे अनुरोध है कि मैं प्रजापति ब्रह्मा नहीं हूं जो आपके भविष्य के बारे में सौ प्रतिशत भविष्य वाणी कर सकूं। मैं तो मात्र अपने निज अनुभव के आधार पर अपने अनुभव को आपके सामन बांटने आता हूं। संभव है, जो मैं कह रहा हूं उसमें कुछ कमी भी रह सकती है। आपको मेरे साथ नहीं रुकना चाहिए कि जो मैं कह रहा हूं वही पूर्ण सत्य है, इस पर

अंधविश्वास नहीं करना चाहिए। इससे आपकी खोज की यात्रा रुक जाएगी। आपको अपना शोध जारी रखना चाहिए। मेरा सभी से अनुरोध कि Second opinion लेना गुनाह नहीं है। इसी में आपका कल्याण है, इसी में आपका भला है। हां, एक बात का दावा जरूर करूंगा कि कर्म बदल सकते हैं ग्रहों की दशा और दृष्टि दोनों ही। कर्म ही करेंगे आपका कल्याण। कर्म सुधारो, मां-बाप की सेवा करो। पति-पत्नी धर्मानुकूल आचरण करो। और इस राष्ट्र के प्रति वफादारी और अपना कर्तव्य निभाते हुए इस महान कल्याणकारी महामंत्र ॐ शं शनैश्चराय नमः मंत्र का जाप करो, आपका भला होगा।

व्यवसाय एवं कॅरियर -

◆ बृहस्पति के प्रथम भाव से गोचर करने के कारण इस वर्ष के प्रारंभ से मई तक का समय आपके लिए व्यावसायिक दृष्टि से अनुकूल रहेगा।

◆ पराक्रम बढ़ेगा।

◆ मन में नए जोश का संचार होगा।

◆ इच्छित सुख एवं अर्थ लाभ हासिल कर सकेंगे।

◆ इस वर्ष परिश्रम के अनुकूल धन की प्राप्ति होगी। लक्ष्य पूर्ति में आप सफल होंगे। व्यवसाय विस्तार होगा।

◆ नौकरी में बॉस आपसे प्रसन्न रहेगा। धन कोष में वृद्धि होगी।

◆ आपके कार्य करने की शैली व सूझबूझ से व्यवसाय में अद्भुत सफलता हासिल होगी।

◆ 16 मई से लेकर 4 अगस्त तक थोड़ी विपरीत परिस्थितियां उत्पन्न होंगी।

◆ मेहनत के अनुरूप सफलता नहीं मिलेगी।

◆ आपके कार्य करने की शैली से आपके सहकर्मी जलेंगे तथा उनके सहयोग में कमी आएगी।

◆ मित्रों व भाई बंधुओं का साथ भी नहीं मिलेगा। इन कारणों से मानसिक तनाव भी बढ़ेगा।

◆ परन्तु गुजारे लायक धन का आगमन होता रहेगा।

◆ यदि व्यवसाय सम्बंधी कोई यात्रा का अवसर बनता है तो बड़ी सावधानी से करनी होगी।

◆ परंतु 4 अगस्त के बाद पुनः कारोबार व नौकरी के हिसाब से समय अनुकूल रहेगा।

◆ कारोबार में लाभ प्राप्त होगा।

उपाय-

1. कार्य में सफलता के लिए पारिवारिक स्थान व अपने घर में श्री महालक्ष्मी यंत्र व दुर्गा यंत्र की स्थापना करें। श्रद्धापूर्वक धूप-दीप, नैवेद्य व पुष्प अर्पित करके **ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं नमो भगवति माहेश्वरि अन्नपूर्णे स्वाहा।** मंत्र की एक माला जाप करें तथा **सर्व मङ्गल माङ्गल्ये शिवे सर्वार्थ साधिके। शरण्ये त्र्यम्बिके गौरि नारायणी नमोस्तुते॥** मंत्र की एक माला प्रतिदिन सुबह और शाम जाप करें।

2. काजू रुद्राक्ष दो दाने, बारह मुखी एक दाना लाल धागे में गले में धारण करें।

पारिवारिक दृष्टिकोण से-

- धनु राशि वाले जातक-जातिकाओं के लिए यह वर्ष पारिवारिक दृष्टिकोण से सफलताओं से भरा रहेगा।
- घर परिवार वालों का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा।
- पारिवारिक सदस्यों का पूर्ण सहयोग व संतान को लेकर मनोनुकूल वातावरण रहेगा।
- संतान पक्ष को विशेष सफलता हासिल होगी।
- पारिवारिक महत्वकांक्षा की पूर्ति होगी।
- घरेलू वातावरण शांति पूर्ण रहेगा। सुख और स्मृद्धि की प्राप्ति होगी।
- समाज में आपका सुयश बढ़ेगा। संतान की शिक्षा को लेकर आप निश्चित रहेंगे।
- माता-पिता के स्वास्थ्य के लिए भी यह वर्ष अच्छा साबित होगा
- परन्तु जीवनसाथी को स्वास्थ्य संबंधी तकलीफें जरूर हो सकती हैं।
- अविवाहितों के लिए विवाह के अवसर आएंगे।
- क्योंकि बृहस्पति मेष राशि में पंचम भाव से गोचर कर रहे हैं।
- शादी विवाह के मसले को लेकर अनुकूल फलों की प्राप्ति होगी।

उपाय -

1. दुर्गा सप्तशती का पाठ करें।
2. विष्णु सहस्त्र नाम का पाठ नियमित करें।

युवा वर्ग:-

- धनु राशि वालों के लिए युवा वर्ग के लिए यह वर्ष अच्छा है।
- नौकरी और व्यवसाय के दृष्टिकोण से शुभ व अनुकूल समाचार प्राप्त होंगे।
- व्यवसाय व नौकरी के अच्छे साधन उपलब्ध होंगे।
- प्रयत्नशील रहें, यह वर्ष हर दृष्टिकोण से सफलता प्रदान करने वाला रहेगा।
- शादी विवाह के लिए यह वर्ष अति शुभ है।

विद्यार्थी वर्ग -

- विद्यार्थी वर्ग के लिए यह वर्ष अनुकूल रहेगा।
- शिक्षा में अध्यापक व माता-पिता का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा।
- प्रतिस्पर्धा आदि में भाग ले रहे छात्रों को सफलता प्राप्त होगी।
- उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे छात्रों को भी कम प्रयास करने पर ही सफलता प्राप्त हो जाएगी।

उपाय –

1. माँ दुर्गा के अर्गला स्तोत्र का सुबह शाम पांच पाठ घी का दीपक जला कर करें।

स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से-

◆ धनु राशि के जातक-जातिकाओं के लिए इस वर्ष में स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से उतार-चढ़ाव की स्थिति नजर आ रही है।

◆ लेकिन फिर भी निजी अनुभव यह कह रहा है कि आपको कहीं भी घबराने की जरूरत नहीं है।

◆ कोई बड़ी दुर्घटना नजर नहीं आ रही हैं।

◆ परंतु 16 मई से लेकर 4 अगस्त के बीच में शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से प्रतिकूल रहेगा।

◆ रक्त संबंधी विकार से उत्पन्न रोग आपको अपनी गिरफ्त में ले सकते हैं।

◆ शारीरिक व मानसिक रूप से आप निराश व परेशान रहेंगे।

◆ परन्तु यह स्थिति ज्यादा दिनों तक नहीं रहेगी।

◆ रोगों के आने-जाने का क्रम चलता रहेगा, इसलिए घबराने की जरूरत नहीं है।

◆ किसी लंबी बीमारी के योग नहीं हैं।

◆ 4 अगस्त से आपकी सारी तकलीफें दूर हो जायेंगी।

◆ स्वास्थ्य उत्तम रहेगा।

◆ शुभ व महत्वपूर्ण कार्यों का उत्साह के साथ संपादन करेंगे।

उपाय –

1. मछलियों को उड़द के आटे की गोलियां बना कर खिलाएं।

2. गरीब व असहाय बच्चों की पढ़ाई में सहायता दें। जैसे उनकी पढ़ाई का खर्च उठाना, उन्हें किताबें देना आदि।

यात्राः-

◆ धनु राशि वालों के लिए यात्रा के दृष्टिकोण से यह वर्ष अनुकूल रहेगा।

◆ वर्ष पर्यत शुभ व मांगलिक कार्य एवं व्यावसायिक यात्राओं का दौर रहेगा।

◆ छोटी-मोटी यात्राएं वर्ष भर लगी रहेंगी।

◆ इन यात्राओं का लाभ भी मिलेगा।

◆ लंबी यात्राओं के प्रति संजोए गए सपने पूरे होंगे।

◆ परंतु इस वर्ष पूर्व एवं दक्षिण दिशा की यात्रा में थोड़ी सावधानी बरतनी पड़ेगी।

◆ लापरवाही नुकसान दे सकती है।

धनु राशि के जातक-जातिकाओं के लिए 2012 के लिए दाती की विशेष सलाह

- ♦ कभी-कभी अपने साथ भी आपको बैठना चाहिए।
- ♦ अपने भावनाओं में बहना इस वर्ष नुकसानदायक रहेगा।
- ♦ अत्यधिक आत्मविश्वास भी आपको तकलीफ देगा।

धनु राशि के जातक-जातिकाओं के लिए 2012 के लिए दाती का विशेष उपाय

स्वास्थ्य में सुधार के लिए

- ♦ विष्णु सहस्त्र नाम का पाठ करें।
- ♦ पक्षियों को दाना डालें व पानी रखें।

पारिवारिक सुख-शांति व बाधा निवारण के लिए

- ♦ नारायण कवच का पाठ करें।
- ♦ शिव उपासना व शिवलिंग पर षडाक्षरी मंत्र का जाप करते हुए जलाभिषेक करें।
- ♦ पीला धागा गले में धारण करना शुभ फल देगा।

आर्थिक सुदृढ़ता के लिए

- ♦ प्रतिदिन आदित्य हृदय स्त्रोत का पाठ करें।
- ♦ चावल व चने की दाल गरीब और जरूरतमंद व्यक्ति को दान में दें।
- ♦ बंदरों को केले या चने खिलायें।
- ♦ व्यवसाय में विशेष रुकावट के लिए गरीब बच्चों की पढ़ाई में मदद करें।

संपूर्ण समस्याओं के निवारण के लिए 12 मुखी ग्यारह दानें रुद्राक्ष लाल धागे में सोमवार के दिन शुभ महुर्त में धारण करें। स्वच्छता का ध्यान रखें।